

how far it was possible to achieve economy in construction; and they have suggested that economy to the extent of Rs. 5 crores could be achieved.

**श्री बिभूति मिश्र :** क्या केन्द्रीय सरकार ने भोपाल सरकार को कोई निर्देश दिया है कि इतनी रकम से ज्यादा वह अपना कैपिटल बनाने पर खर्च न करे ? उस ने कम से कम कितना खर्च करने का निर्देश दिया है ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** इस बारे में कोई लकीर तो खींची नहीं जा सकती है। उनकी योजना आई थी और उसकी जांच हुई थी। सबने एक मत से यह तय किया कि लगभग १३ करोड़ से उनका काम चल सकता है।

**Dr. M. S. Aney:** Is it possible to predict that the capital buildings shall be completed by such and such year?

**Shri L. N. Mishra:** There can be no prediction. The programme has been phased; and we believe that so far as this programme is concerned, it would be completed by 1963-64.

**श्री ब्रज राज सिंह :** क्या सरकार यह बताने की कृपा करेगी कि मध्य प्रदेश सरकार ने इस राजधानी के बनाने के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार से कोई अनुदान चाहा ही नहीं था और यदि चाहा था, तो फिर केन्द्रीय सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया हुई ? जो वर्किंग ग्रुप नियुक्त किया गया था, उसके कर्तव्यों में से एक यह भी था कि वह यह भी देखे कि इसके लिये केन्द्रीय अनुदान की जरूरत भी है या नहीं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि उसने इस सम्बन्ध में क्या राय दी है।

**श्री ल० ना० मिश्र :** यह तो नहीं कहा जा सकता कि अनुदान राज्य सरकार नहीं चाहती। इस की मांग है, लेकिन देना कठिन है, क्योंकि सिद्धान्त की बात हो जाती है,

लेकिन यह भी सही है कि वे भी राजी हैं कि इस रूप में इस कार्य का कार्यान्वयन हो।

### Export of Mica

+

\*1115. { **Shri Bibhuti Mishra:**  
**Shri Pangarkar:**  
**Shri D. C. Sharma:**

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the exports of Indian mica have increased considerably during the year 1959; and

(b) if so, the extent thereof?

**The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Satish Chandra):** (a) and (b). The value of unmanufactured mica and manufactures of mica exported in 1959 was Rs. 11.15 crores as against Rs. 10.20 crores in 1958.

**श्री बिभूति मिश्र :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि अच्छी तरह से माइका खान से निकाला जाय, इसके लिये क्या कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज मिनिस्ट्री कोई खास तवज्जह देती है।

**श्री सतीश चन्द्र :** माइका वालों की अपनी एसोसिएशन है और माइका निकालने का जहां तक ताल्लुक है, वह माइनिंग मिनिस्ट्री से ताल्लुक रखता है और वे इस पर और करते हैं। माइका की एक एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल है। वे भी इन चीजों पर विचार करते हैं और वे आपस में बैठ कर सोचते हैं कि किस तरह काम को अच्छी तरह किया जाये।

**श्री बिभूति मिश्र :** जो माइका के प्राइवेट ठेकेदार हैं, उनसे माइका इंडस्ट्री को नुकसान पहुंचा है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार इस इंडस्ट्री को अपने कब्जे में लेना चाहती है।

**श्री सतीश चन्द्र :** माइका का इन्जाम इस मिनिस्ट्री से होता नहीं है। हम तो एक्सपोर्ट से ताल्लुक रखते हैं। अगर माननीय सदस्य इस बारे में ज्यादा इत्तिला चाहते हैं, तो वह माइका मिनिस्टर से यह सवाल पूछें।

**Shri Shree Narayan Das:** May I know the names of the countries to which export of mica has increased in 1959?

**Shri Satish Chandra:** The exports have generally gone up. I have given the figure already. I have got a statement here. The increase has taken place in the case of Japan, China and Czechoslovakia.

**श्री पद्म बेव:** यमं. माननीय मंत्री महोदय ने कहा किम्वरक का निर्यात बढ़ रहा है। क्या वह इस बात को धोर संकेत करेगा कि हिमाचल प्रदेश में जो म्वरक बहुत ज्यादा पाया जाता है, उसके लिये प्रयत्न किया जायेगा कि इसके द्वारा वहां के लोगों को रोजगार का एक साधन मिल सके ?

**श्री सतीश चन्द्र :** म्वर हिमाचल प्रदेश के लोग म्वरक निकालें और उसकी बवालिट्टी म्वच्छी हो, तो हम उसके निर्यात का जरूर प्रयत्न करेंगे।

मैंने जो मुल्कों के नाम बताये हैं, उनमें यू० एस० एस० आर० का नाम रह गया है। उसके लिये माइका का एक्सपोर्ट बहुत बढ़ा है।

**श्री मा० सा० वर्मा :** माननीय मंत्री ने, जहां तक विकास का ताल्लुक है, माइन्ड मिनिस्ट्री पर वजन डाल दिया है, लेकिन म्वरक जिस मकसद के लिये विदेशों में जा रहा है, उसके उपयोग के लिये यहां पर कारखाने लगाए जा सकते हैं, उसका उपयोग यहां पर किया जा सकता है, क्या इस पर विचार किया गया है ?

**श्री सतीश चन्द्र :** म्वरक, ज्यादातर बिजली के जो यन्त्र बनते हैं, उसमें काम में आता है। बिजली के यन्त्रों को बनाने के काम को बढ़ाने का देश में बराबर प्रयत्न किया जा रहा है। भोपाल में हैवी इलेक्ट्रिकलज बन रहा है, उस को डबल किया जा रहा है। और भी कांशिश की जाती है। जितना जितना बिजली का काम हिन्दुस्तान में बढ़ता

जायगा, माइका का भी इस्तमाल उतना बढ़ता जायेगा।

**Shri Vidya Charan Shukla:** Is it a fact that though the export of mica has gone up, the ratio of earnings has gone down as compared to last year?

**Shri Satish Chandra:** Not so in the case of unmanufactured mica. Though the total foreign exchange earned by the export of manufactured mica is more than last year, it is true that the prices had gone down and the rate was lower in 1959 as compared to 1958.

**Shri Chintamani Panigrahi:** What special measures have Government taken to promote the expansion of export of mica in the coming year?

**Shri Satish Chandra:** There is the Mica Export Promotion Council; and it tries to have market surveys. There are difficulties because there are certain substitutes coming up in other countries which are replacing mica. The Mica Export Promotion Council is trying to carry on some research for new uses to which mica could be put; and it is also trying to find new markets. We are trying to export it to many countries where we did not export before.

**श्री विभूति मिश्र :** मैं जानना चाहता हूँ कि हिन्दुस्तान की इंडस्ट्रियलाइजेशन की रफ्तार को जिस तरह से वह बढ़ रही है, देख कर क्या सरकार माइका के निर्यात को रोकना चाहती है ? माइका के ऊपर भारत का एकाधिकार है और म्वरक वह यहां ज्यादा खर्च हो जाएगा, तो बाहर भेजने के लिये माइका कम रह जायेगा। ऐसी हालत में क्या उस पर सरकार नियन्त्रण करने का विचार कर रही है ?

**श्री सतीश चन्द्र :** रोकने का कोई विचार नहीं है। जितने माइके की मुल्क को जरूरत है, उतना यहां रखा जाएगा और बाकी जो बच रहता है, उसके लिये तो हम कुछ मोचने हैं और निर्यात करने की कांशिश करते हैं।

**Shri Shree Narayan Das:** The hon. Minister said that the value of mica exported had decreased. May I know the reasons for that? Have the exports fallen?

**Shri Satish Chandra:** The value of the manufactured mica has decreased. I said just now that it was partly due to the new substitutes coming to replace mica. There are other synthetic materials which are replacing mica to a certain extent.

**श्री राम सिंह भाई बर्मा:** क्या यह सत्य है कि बाहर की मांग और देश की मांग के अनुसार माइका का उत्पादन नहीं हो रहा है, कम उत्पादन हो रहा है ?

**श्री सतीश चन्द्र :** उत्पादन कम नहीं हो रहा है। मुल्क में भी मांग बढ़ती जाती है और एक्सपोर्ट भी अधिक हो रहा है। इसका साफ मतलब यह है कि उत्पादन भी बढ़ रहा है।

**श्री रामसिंह भाई बर्मा :** मेरा मतलब यह है कि जितने माइका की बाहर के मुल्कों में डिमाण्ड है और जो देश की खपत है, उसके परिमाण में माइका निकालने के काम में प्रगति नहीं हो रही है, जो प्रोडक्शन हो रहा है वह कम परिमाण में हो रहा है।

**श्री सतीश चन्द्र :** मैंने प्रश्न किया है कि जितनी मुल्क की मांग है, वह हम पूरी करते हैं और जो एक्सपोर्ट है वह भी बढ़ता जाता है। इस वास्ते माननीय सदस्य की यह धारणा कि उत्पादन कम हो गया है, सही नहीं है।

**Shri Vidya Charan Shukla:** Is it not a fact that the mica miners' association has protested against the export policy of the Government regarding manufactured mica? Has it suggested any steps to be taken which will stabilise the prices of manufactured mica abroad?

**Shri Satish Chandra:** I am not aware of any protest. If the hon. Member brings any specific case to our notice, we shall certainly look into it.

**Export of Canned Foods to U.S.A.**

\*1117. **Shri Raghunath Singh:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the U.S.A. has banned the import of canned foods under an amendment to the U.S. Food Drug and Cosmetic Act which became operative from the 5th March, 1960 and is causing serious repercussions on India's canned goods export to the U.S.A.; and

(b) if so, the steps being taken by Government in this respect?

**The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Satish Chandra):** (a) and (b). No such ban has been imposed, but the amending Act regulates imports so as to ensure that packers in countries exporting goods to the United States use only such additives as have been adequately tested by the U.S. Food and Drug Administration for safety of health. So far as we know, Indian exporters are using only such additives as are already on the approved list. If the operation of this Act causes any practical difficulty, remedial solutions will have to be found in consultation with the U.S. authorities concerned.

**Shri Raghunath Singh:** May I know the quantity of the export of Indian canned foods to America?

**Shri Satish Chandra:** It is about Rs. 71 lakhs in a year out of which a major portion is fish products.

**Shri Raghunath Singh:** Since the time when this amendment came into operation, has any order been received from the United States?

**Shri Satish Chandra:** This Act has been passed very recently and it came into force on 6-3-1960. It is too early to give that information.

**Shri Raghunath Singh:** In 1959, this amendment was made there. I want to know if after that amend-